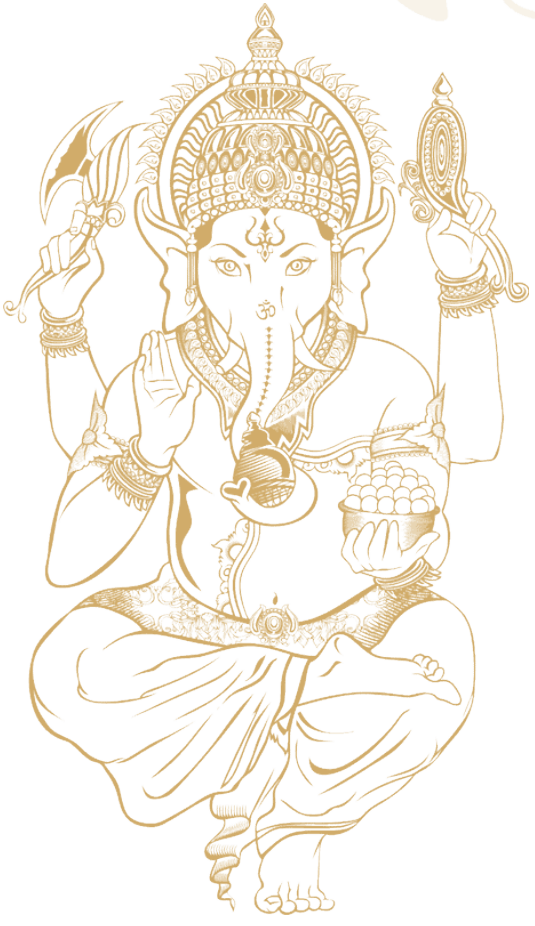

Vijay Sharma

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121627113

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/09/1994	जन्म तिथि	12/09/1998
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 22:10:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 39:59:21	जन्म समय(घटी)	31:11:32 घटी
India	देश	India
Kota Barrage	स्थान	Kota
25:06:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:51:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:36	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:15	सूर्योदय	06:10:53
18:37:23	सूर्यास्त	18:33:42
23:47:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 5वर्ष 4मा 12दि	02:18:44	वृष	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि
शनि	22:59:04	सिंह	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु
22/01/2016	16:01:28	तुला	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009
21/01/2035	21:25:26	मिथु	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027
शनि 24/01/2019	14:28:56	कन्या	बुध	सिंह	14:01:36	राहु 09/10/2011
बुध 04/10/2021	17:24:26	तुला	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु 04/03/2014
केतु 12/11/2022	07:51:08	तुला	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि 08/01/2017
शुक्र 12/01/2026	14:37:02	कुंभ व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध 28/07/2019
सूर्य 25/12/2026	22:43:15	तुला व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु 15/08/2020
चन्द्र 25/07/2028	22:43:15	मेष व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र 15/08/2023
मंगल 03/09/2029	28:48:23	धनु व	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य 09/07/2024
राहु 10/07/2032	26:55:44	धनु व	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र 08/01/2026
गुरु 21/01/2035	01:49:59	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल 26/01/2027

लग्न-चलित

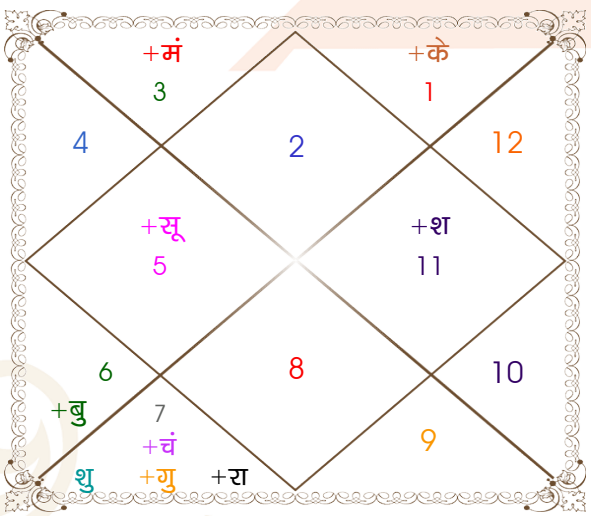

लग्न-चलित

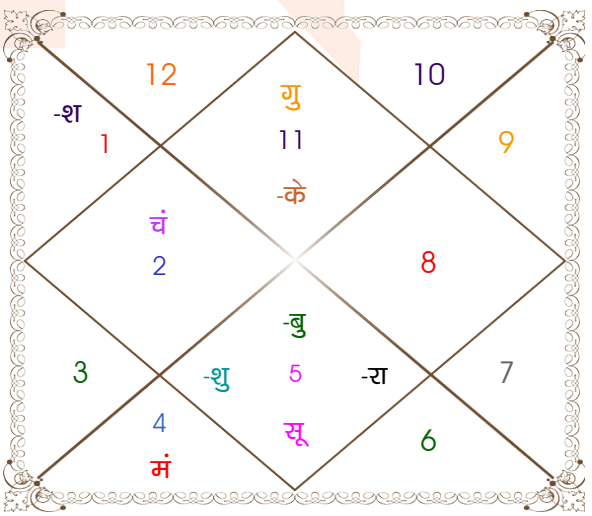

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

भकूV दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि V का नक्षत्र रोहिणी है।

टपरंलौंतउं का वर्ग मृग है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार टपरंलौंतउं और V का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

टपरंलौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

टपरंलौंतउं तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूV गुण नहीं मिलते हैं।